परास्नातक ज्योतिर्विज्ञान सेमेस्टर पाठ्यक्रम
M.A. SEMESTER COURSE OFJYOTIRVIJNANA

परास्नातक (एम.ए.) ज्योतिर्विज्ञान पाठ्यक्रम द्विवर्षीय होगा जिसमें चार सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक वर्ष के अन्तिम सेमेस्टर अर्थात् द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर में मौखिकी (Viva-Voce Exam) तथा एक प्रयोगात्मक परीक्षा (Practical Exam) भी आयोजित की जायेगी। चतुर्थ सेमेस्टर में परियोजना कार्य (Project Work) अनिवार्य होगा। सेमेस्टर पद्धति में प्रत्येक प्रश्न पत्र (Paper) के अङ्क 100 होंगे, जिनके अङ्कों का विभाजन इस प्रकार होगा–

(क)	मध्य सेमेस्टर परीक्षण (Mid Semester Test)	15 अङ्क
(ख)	कक्षा में उपस्थिति (Class Attendance)	05 अङ्क
(ग)	गृह–दत्तकार्य / कक्षा में प्रस्तुतीकरण (Home Assignment/Class Presentation)	10 अङ्क
(घ)	सेमेस्टर के अन्त में परीक्षा (Mid Semester Test)	70 अङ्क
	कुल	**100 अङ्क**

निर्देशः परास्नातक (M.A.) के प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के सभी सेमेस्टर पद्धति के प्रश्नपत्रों में विषयानुरूप उपपत्ति, प्रमेय, निर्मेय, समाधान, व्याख्या, अनुवाद तथा आलोचनात्मक और समीक्षात्मक प्रश्न होंगे।

प्रथम सेमेस्टर (Ist SEMESTER)

परास्नातक (M.A.) प्रथम सेमेस्टर (Semester I) में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र चार वर्ग (Four Units) में विभक्त होगा।

1. प्रथम प्रश्न पत्र (First Paper)

(सिद्धान्त ज्योतिर्गणित)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (मध्यमाधिकार–कालमानाध्याय से ग्रहानयनाध्याय पर्यन्त)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (मध्यमाधिकार–कक्षाध्याय से मध्यमाधिकारान्त पर्यन्त)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (स्पष्टाधिकार–ज्या साधन, परमक्रान्ति साधन, भुज–कोटि आनयन, मन्दफल तथा शीघ्रफल साधन)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (स्पष्टाधिकार–पलभानयन, पञ्चज्यासाधन, लङ्कोदयसाधन, भुजान्तर तथा उदयान्तर)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. सिद्धान्तशिरोमणि (गणिताध्याय)–भास्कराचार्य, हिन्दी व्याख्याकार–पं0 गिरिजाप्रसाद द्विवेदी
2. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार–मुरलीधर ठक्कुर
3. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार–प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल
4. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार– पं0 सत्यदेव शर्मा
5. सचित्र ज्योतिष शिक्षा (गणित खण्ड) प्रथम–बी0एल0 ठाकुर
6. सिद्धान्तशिरोमणि (गणिताध्याय)–भास्कराचार्य–हिन्दी टीकाकार–केदार दत्त जोशी

2. द्वितीय प्रश्न पत्र (Second Paper)

(करण ज्योतिर्गणित)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

ग्रहलाघव (मध्यमाधिकार)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

ग्रहलाघव (रविचन्द्र–स्पष्टाधिकार)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

ग्रहलाघव (पञ्चतारास्पष्टीकरणाधिकार)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

ग्रहलाघव (त्रिप्रश्नाधिकार)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. ग्रहलाघवम् गणेशदैवज्ञ–हिन्दी टीकाकार–श्री केदारदत्त जोशी
2. ग्रहलाघवम् गणेशदैवज्ञ–हिन्दी व्याख्याकार–प्रो0 रामचन्द्र पाण्डेय
3. ग्रहलाघवम् गणेशदैवज्ञ–हिन्दी अनुवादक–डॉ0 ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
4. सचित्र ज्योतिष शिक्षा (गणित खण्ड) द्वितीय–बी0 एल0 ठाकुर
5. ज्योतिर्गणितकौमुदी–श्री रजनीकान्त शास्त्री
6. मकरन्दसारिणी–मकरन्दाचार्य–हिन्दी टीकाकार–आचार्य रामजन्म मिश्र

3. तृतीय प्रश्न पत्र (Third Paper)

(होरा ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

जन्मपत्रिका निर्माणपद्धति (अयनांश, सायनसूर्य, सूर्योदय, सूर्यास्त, इष्टकाल, दिनमान, रात्रिमान, लग्नसाधन तथा दशम लग्नसाधन)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

जन्मपत्रिका निर्माणपद्धति (भावसाधन, ग्रहस्पष्टीकरण, भयात, भभोग, विंशोत्तरी दशा साधन)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

बृहज्जातक (राशि प्रभेदाध्याय, ग्रहयोनिप्रभेदाध्याय)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

बृहज्जातक (आयुर्दायाध्याय, नाभस–योगाध्याय)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. मानसागरी–टीकाकार–प्रो0 रामचन्द्र पाण्डेय
2. भारतीय कुण्डली विमर्श–डॉ0 गिरिजाशङ्कर शास्त्री
3. भारतीय कुण्डली विज्ञान–हिम्मत लाल मीठालाल ओझा
4. शुकजातकम्–शुकब्रह्मर्षि–हिन्दी व्याख्याकार–डॉ0 बृजेश कुमार शुक्ल
5. बृहज्जातक–(भट्टोत्पलटीका सहित)–बराहमिहिर–टीकाकार–श्री केदारदत्त जोशी
6. Brihat Jatakam-Varahmihir English Translation by Prof. P.S. Shastri

4. चतुर्थ प्रश्न पत्र (Fourth Paper)

(वास्तु ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

बृहद्वास्तुमाला (गृहारम्भविधि, दिग्दिशाज्ञान, भूमि–संशोधन, लक्षण, शल्यानयन)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

बृहद्वास्तुमाला (दिक्साधन, पिण्डसाधन, आयानयन, आयाद्यनयन विचार)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

बृहद्वास्तुमाला (गृहारम्भ में मासपक्षतिथिनक्षत्रादि विचार, गृहारम्भ मुहूर्त्त, गृहायुष्यादिविचार, गृहारम्भ योग)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

बृहद्वास्तुमाला (वृषवास्तुचक्र मण्डलेश फल, द्वारनिर्णय द्वारवेध, द्वारस्थापन तथा पञ्चगृहप्रमाण)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. बृहद्वास्तुमाला–श्री रामनिहोर द्विवेदी
2. वास्तुराज वल्लभ–मण्डनसूत्रधार, हिन्दी टीकाकार–श्री अनूप मिश्र
3. Mayamatam-English Translation by Bruno Dagens
4. मुहूर्त्त चिन्तामणि–(पीयूषधाराटीका)–श्री रामाचार्य हिन्दी टीकाकार–पं0 केदारदत्त जोशी

द्वितीय सेमेस्टर (IInd Semester)

परास्नातक (M.A.) द्वितीय सेमेस्टर (Semester II) में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र चार वर्ग (Four Units) में विभक्त होगा। इसके अतिरिक्त एक प्रयोगात्मक परीक्षा (Practical Exam) और एक मौखिकी परीक्षा (Viva-Voce Exam) भी आयोजित किया जायेगा।

1. प्रथम प्रश्न पत्र (First Paper)

(सिद्धान्त ज्योतिर्गणित)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (त्रिप्रश्नाधिकार–लग्नसाधन, दिक्साधन, अक्षक्षेत्र, छायाकर्णसाधन)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (त्रिप्रश्नाधिकार–इष्टान्त्यकाह्नतिसाधन, नतकालानयन, छाया से कालज्ञान, छायार्कसाधन, क्रान्ति से पलभानयन)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (पर्वसम्भवाधिकार, चन्द्रग्रहणाधिकार)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (सूर्यग्रहणाधिकार)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. सिद्धान्तशिरोमणि (गणिताध्याय)–भास्कराचार्य, हिन्दी व्याख्याकार–पं0 गिरिजाप्रसाद द्विवेदी
2. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार–मुरलीधर ठक्कुर
3. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार–प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल
4. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार– पं0 सत्यदेव शर्मा
5. सचित्र ज्योतिष शिक्षा (गणित खण्ड) प्रथम–बी0एल0 ठाकुर
6. सिद्धान्तशिरोमणि (गणिताध्याय)–भास्कराचार्य–हिन्दी टीकाकार–केदार दत्त जोशी

2. द्वितीय प्रश्न पत्र (Second Paper)

(होरा ज्योतिर्गणित)

पूर्णाङ्क: 100
प्रश्नपत्र: 70
आन्तरिक अन्वीक्षण: 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

बृहज्जातक (स्त्रीजातकाध्याय तथा नष्टजातकाध्याय)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

सारावली (सूर्ययोगाध्याय, चन्द्रयोगाध्याय)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सारावली (भाग्यचिन्ताध्याय, कर्मचिन्ताध्याय)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सारावली (निर्याणाध्याय, अष्टकवर्गाध्याय, अष्टकवर्गफलाध्याय)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. बृहज्जातक–(भट्टोत्पलटीका सहित)–वराहमिहिर–टीकाकार–श्री केदार दत्त जोशी
2. बृहज्जातक–हिन्दी टीकाकार–पं0 सीताराम झा
3. Brihat Jatakam-Varahmihir English Translation by Prof. P.S. Shastri
4. सारावली कल्याण वर्मा–हिन्दी व्याख्याकार–डॉ0 सुरेश चन्द्र मिश्र
5. Saravali (2 Volumes) Kalyana Verma with English Translation by Prof. P.S. Shastri
6. बृहज्जातक–हिन्दी टीकाकार–सुरेश चन्द्रमिश्र

3. तृतीय प्रश्न पत्र (Third Paper)

(वास्तु ज्योतिष)

पूर्णाङ्क: 100
प्रश्नपत्र: 70
आन्तरिक अन्वीक्षण: 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

बृहद्वास्तुमाला (दकार्गल, कूपतडागादि निर्माण विचार)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

बृहद्वास्तुमाला (प्रासादलक्षण तथा भेद, देवादि प्रतिष्ठा विचार)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

मुहूर्त्त चिन्तामणि (वास्तु तथा गृहप्रवेश प्रकरण)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

फेंगसुई वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय तथा वास्तु दोषोपचार

संस्तुत ग्रन्थ–

1. बृहद्वास्तुमाला–श्री रामनिहोर द्विवेदी
2. मुहूर्त्त चिन्तामणि–(पीयूषधारा टीका)–हिन्दी टीकाकार–पं0 केदार दत्त जोशी
3. वास्तुरत्नाकर–डॉ0 विन्ध्येश्वरी प्रसाद
4. वास्तुराजवल्लभ–मण्डनसूत्रधार–हिन्दी टीकाकार–श्री अनूप मिश्र
5. रेमिडियल वास्तुशास्त्र–डॉ0 भोजराज द्विवेदी
6. फेंगसुई–सैद्धान्तिक वास्तुशास्त्र–एस0 सी0 सरदाना
7. फेंगसुई–चीनी वास्तुशास्त्र–डॉ0 भोजराज द्विवेदी

4. चतुर्थ प्रश्न पत्र (Fourth Paper)

(मुहूर्त्त ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

मुहूर्त्त गणपति (संवत्सरादि प्रकरण, तिथि प्रकरण, वार प्रकरण)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

मुहूर्त्त गणपति (नक्षत्र प्रकरण, योग प्रकरण तथा करण प्रकरण)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

मुहूर्त्त–चिन्तामणि (विवाह प्रकरण–प्रारम्भ से पञ्चशलाकावेध पर्यन्त)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

मुहूर्त्त चिन्तामणि (अवशिष्ट विवाह प्रकरण)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. मुहूर्त्त गणपति–हिन्दी टीकाकार–डॉ0 मुरलीधर चतुर्वेदी
2. मुहूर्त्त चिन्तामणि–श्री रामाचार्य (पीयूषधारा टीका सहित), हिन्दी व्याख्याकार–पं0 केदारदत्त जोशी
3. मुहूर्त्त मार्त्तण्ड–श्री नारायण दैवज्ञ, हिन्दी टीकाकार–पं0 केदारदत्त जोशी
4. शीघ्रबोध–काशीनाथ–हिन्दी टीकाकार–डॉ0 बृजेश कुमार शुक्ल
5. ज्योतिर्विदाभरण–कालिदास–हिन्दी टीकाकार–डॉ0 रामचन्द्र पाण्डेय

प्रयोगात्मक परीक्षा (Practical Exam)

50 अङ्क

सूर्योदय, सूर्य स्पष्ट साधन, मानक समय से स्थानीय समय का ज्ञान, बेलान्तर, रेखान्तर, लग्न साधन, दशम लग्न साधन, जन्मपत्री निर्माण, दिक्साधन तथा त्रिप्रश्नाधिकार।

मौखिकी परीक्षा (Viva-Voce-Exam)

50 अङ्क

तृतीय सेमेस्टर (III Semester)

परास्नातक (M.A.) तृतीय सेमेस्टर (Semester III) में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र चार वर्ग (Four Units) में विभक्त होगा।

1. प्रथम प्रश्न पत्र (First Paper)

(सिद्धान्त ज्योतिर्गणित)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (ग्रहोदयास्ताधिकार)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (शृङ्गोनत्याधिकार)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (ग्रहयुत्याधिकार तथा भग्रहयुत्याधिकार)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सिद्धान्त शिरोमणि–गणिताध्याय (पाताधिकार)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. सिद्धान्तशिरोमणि (वासनाभाष्य)–भास्कराचार्य, हिन्दी व्याख्याकार–पं0 गिरिजाप्रसाद द्विवेदी
2. सिद्धान्तशिरोमणि (मरीचिटीकासहित) भास्कराचार्य, व्याख्याकार–पं0 केदारदत्त जोशी
3. सिद्धान्त शिरोमणि–भास्कराचार्य–सम्पादक–डॉ0 मुरलीधर ठक्कुर
4. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार–प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल
5. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार–पं0 सत्यदेव शर्मा
6. सरल त्रिकोणमिति–बलदेव मिश्र
7. सरल त्रिकोणमिति–बापूदेव शास्त्री–सम्पादक–पं0 गोविन्द देव पाठक
8. चापीय त्रिकोणमिति–बापूदेव शास्त्री
9. चापीय त्रिकोणमिति–नीलाम्बर झा

2. द्वितीय प्रश्न पत्र (Second Paper)
(करण ज्योतिर्गणित)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

ग्रहलाघव (चन्द्रग्रहणाधिकार)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

ग्रहलाघव (सूर्यग्रहणाधिकार)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

ग्रहलाघव (उदयास्ताधिकार)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

ग्रहलाघव (शृङ्गोनत्यधिकार तथा पाताधिकार)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. ग्रहलाघव गणेश दैवज्ञ–हिन्दी टीकाकार–पं0 केदार दत्त जोशी
2. ग्रहलाघव गणेश दैवज्ञ–हिन्दी अनुवादक–डॉ0 ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
3. ग्रहलाघव (मल्लारि तथा विश्वनाथ की टीकाओं सहित) गणेश दैवज्ञ–सम्पादक–डॉ0 सुधाकर द्विवेदी
4. ग्रहलाघव गणेश दैवज्ञ–हिन्दी टीकाकार–डॉ0 रामचन्द्र पाण्डेय
5. सचित्र ज्योतिष शिक्षा–द्वितीय खण्ड (गणित), बी0एल0 ठाकुर

3. तृतीय प्रश्न पत्र (Third Paper)
(संहिता ज्योतिष तथा सामुद्रिक शास्त्र)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

बृहत्संहिता (सांवत्सरसूत्राध्याय तथा आदित्यचाराध्याय)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

बृहत्संहिता (कूर्मविभागाध्याय, ग्रहयुद्धाध्याय, पुष्यस्नानाध्याय)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

भावकुतूहल (दशम अध्याय)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सामुद्रिक–रहस्य (पुण्यादि रेखाफल विचार से मास–शुभाशुभ ज्ञान पर्यन्त)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. बृहत्संहिता वराहमिहिर–हिन्दी टीकाकार–श्री अच्युतानन्द झा
2. भद्रबाहु संहिता–भद्रबाहु, हिन्दी टीकाकार–नेमिचन्द्र शास्त्री
3. भावकुतूहल–श्री जीवनाथ हिन्दी टीकाकार–श्री रामावतार मिश्र
4. सामुद्रिक रहस्यम्–कालिकाप्रसाद शर्मा–सम्पादक–पं0 शिवदत्त मिश्र शास्त्री
5. सामुद्रिकशास्त्रम्–समुद्र हिन्दी अनुवादक–डॉ0 शुकदेव चतुर्वेदी
6. हस्तरेखाशास्त्र–कीरो
7. सामुद्रकशास्त्र–पं0 शक्तिधर शुक्ल

4. चतुर्थ प्रश्न पत्र (Fourth Paper)

(ताजिक ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

ताजिकनीलकण्ठी–सञ्ज्ञातन्त्र (ग्रहाध्याय)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

ताजिकनीलकण्ठी–सञ्ज्ञातन्त्र (षोडशयोगाध्याय)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

ताजिकनीलकण्ठी–सञ्ज्ञातन्त्र (सहमाध्याय)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

ताजिकनीलकण्ठी–वर्षतन्त्र (वर्षेशफलाध्याय तथा मुन्थहा–फलाध्याय)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. ताजिकनीलकण्ठी–नीलकण्ठाचार्य–हिन्दी टीकाकार–पं0 केदारदत्त जोशी
2. ताजिकनीलकण्ठी–नीलकण्ठाचार्य–हिन्दी अनुवादक–श्री वासुदेव गुप्त
3. ज्योतिष पीयूष–डॉ0 कल्याणदत्त शर्मा
4. ताजिक–भूषणम्–गणेश दैवज्ञ–हिन्दी अनुवादक–पं0 सीताराम शास्त्री

चतुर्थ सेमेस्टर (IVth Semester)

परास्नातक (M.A.) चतुर्थ सेमेस्टर (Semester IV) में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र चार वर्ग (Four Units) में विभक्त होगा। इसके अतिरिक्त एक प्रयोगात्मक परीक्षा (Practical Exam) और एक मौखिकी परीक्षा (Viva-Voce Exam) भी आयोजित किया जायेगा। इस सेमेस्टर में परियोजना कार्य (Project Work) अनिवार्य होगा।

1. प्रथम प्रश्न पत्र (First Paper)

(सिद्धान्त ज्योतिष तथा ग्रहगोल)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

सिद्धान्त शिरोमणि–गोलाध्याय (भुवनकोश)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

सिद्धान्त शिरोमणि–गोलाध्याय (मध्यगतिवासना तथा छेद्यकाधिकार)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सिद्धान्त शिरोमणि–गोलाध्याय (त्रिप्रश्नवासना)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सिद्धान्त शिरोमणि–गोलाध्याय (ग्रहणवासना)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. सिद्धान्तशिरोमणि (गोलाध्याय)–भास्कराचार्य, सम्पादक–मुरलीधर चतुर्वेदी
2. गोलाध्याय–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार–पं0 केदारदत्त जोशी
3. सिद्धान्तशिरोमणि (गोलाध्याय)––भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार– पं0 सत्यदेव शर्मा
4. गोलाध्याय–भास्कराचार्य, हिन्दी टीकाकार–पं0 गिरिजा प्रसाद द्विवेदी
5. ग्रहगति का क्रमिक विकास–श्री चन्द्र पाण्डेय

2. द्वितीय प्रश्न पत्र (Second Paper)

(होरा फलित ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

फलदीपिका (राजयोग तथा रोगनिर्णय अध्याय)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

फलदीपिका (दशाफल तथा अन्तर्दशा फल)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

उत्तरकालामृत (आयुर्दाय खण्ड तथा ग्रहभावखण्ड)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

जातक–पारिजात (जातकभङ्गाध्याय)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. फलदीपिका–मन्त्रेश्वर, हिन्दी टीकाकार–पं0 गोपेश कुमार ओझा
2. Phaldipika (Mantreshwara) with English Translation, Notes Commentory by Dr. G.S. Kapoor
3. उत्तरकालामृतम्–कालिदास, हिन्दी व्याख्याकार–श्री जगन्नाथ भसीन
4. Uttarkalamrit (Kalidasa) with English Translation by P.S. Shastri
5. जातक–पारिजात (दो भाग)–दैवज्ञ वैद्यनाथ–हिन्दी व्याख्याकार–पं0 गोपेश कुमार ओझा

3. तृतीय प्रश्न पत्र (Third Paper)

(प्रश्न तथा नाड़ी ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

षट्पञ्चाशिका (1 से 4 अध्याय)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

षट्पञ्चाशिका (5 से 7 अध्याय)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

नाड़ी ज्योतिष परम्परा

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

अरुण संहिता (लाल किताब) का सामान्य परिचय तथा उपचार

संस्तुत ग्रन्थ–

1. षट्पञ्चाशिका–पृथुयशस्–हिन्दी टीकाकार–डॉ0 सुरेश चन्द्र मिश्र
2. षट्पञ्चाशिका–भट्टोत्पल संस्कृत टीका सहित
3. प्रश्न मार्ग–डॉ0 शुकदेव चतुर्वेदी
4. देवकेरलम्–मद्रास विश्वविद्यालय मद्रास (चेन्नई)
5. प्रश्न वैष्णवम्–श्री नारायण दास
6. भार्गवनाडिका–मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास (चेन्नई)
7. चन्द्रकला नाडी–श्री जगन्नाथ भसीन
8. Saptarshi Nadi-Jagannath Bhasin
9. Brigu Nandi Nadi-R.G. Rao
10. अरुण संहिता–लाल किताब

4. चतुर्थ प्रश्न पत्र (Fourth Paper)

(ज्योतिष की अन्य पद्धतियाँ तथा ग्रहोपचार)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 70
आन्तरिक अन्वीक्षणः 30

प्रथम वर्ग (Unit-I)

कृष्णमूर्ति पद्धति

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

पाश्चात्य ज्योतिष

तृतीय वर्ग (Unit-III)

अङ्क ज्योतिष तथा रमल

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

ग्रहोपचार–रत्न, मन्त्र तथा औषधि, प्रयोग और अनुष्ठान

संस्तुत ग्रन्थ–

1. कृष्णमूर्ति पद्धति (System of Krishana Murthi), के0 कृष्णमूर्ति
2. पाश्चात्य ज्योतिष–जगन्नाथ भसीन
3. अङ्क चमत्कार–कीरो
4. अङ्कविद्या–गोपेश कुमार ओझा
5. अङ्कविद्या रहस्य–पं0 केवल प्रसाद जोशी
6. केरलीय ज्योतिष–डॉ0 गौरीशङ्कर कपूर
7. केरल प्रश्न संग्रह–हिन्दी टीका सहित
8. रमल नवरत्नम्– (विमल संस्कृत–हिन्दी टीका सहित)
9. रमल दिवाकर–पं0 बचान प्रसाद त्रिपाठी
10. रत्न विज्ञान–राधाकृष्ण पराशर
11. रत्न परिचय–हरिश्चन्द्र वेदालङ्कार–जगन्नाथ भसीन
12. ज्योतिष और ग्रहपीड़ा निवारण–पं0 राजशेखर दैवज्ञ

प्रयोगात्मक परीक्षा (Practical Exam) 50 अङ्क

वेधयन्त्र परिचय

ग्रहवेध, नतांश, क्रान्ति, अक्षांश का साधन (वेध), ग्रहों का याम्योत्तरलङ्घनकाल, ग्रहों के मन्त्रोच्चार (वैदिक तथा तान्त्रिक), छायार्कसाधन, छाया से पलभासाधन तथा छाया से समय का ज्ञान।

संस्तुत ग्रन्थ–

1. ज्योतिर्विज्ञान की वेधशाला–प्रो0 कल्याण दत्त शर्मा
2. वेधशाला वैभवम्–डॉ0 विनोद कुमार शर्मा
3. प्रस्तर वेधशाला–डॉ0 भास्कर शर्मा श्रोत्रिय
4. कर्मकौमुदी–प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल
5. कर्मठगुरु–मुकुन्दबल्लभ मिश्र

मौखिकी परीक्षा (Viva-Voce-Exam) 50 अङ्क

परियोजना कार्य (Project work) 100 अङ्क